आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 172 | उज्जैन, गुरूवार 15 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के हमेशा साथ है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में गोटेगांव में हुआ 218 जोड़ों का सामूहिक विवाह

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विवाह हमारी संस्कृति की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। यह हमारे समाज और परिवार का आधार है। सामूहिक विवाह सम्मेलन गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए संबल और सहयोग के प्रतीक हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के साथ हमारी सरकार दोस्त बनकर हमेशा साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को नरसिंहपुर जिले के नई कृषि उपज मंडी प्रांगण, गोटेगांव में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर्चुअली सहभागिता कर संबोधित कर रहे थे। सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल 218 जोड़े (216 कन्याओं का विवाह और 02 बेटियों का निकाह) परिणय सूत्र में बंधे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार माताओं, बहनों और बेटियों के हितों की रक्षा के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि बहन, बेटियों के लिए हमने अपने सालाना बजट में 27 हजार 147 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। प्रदेश में ग्रामसभा से लेकर विधानसभा तक महिलाओं की प्रभावी उपस्थिति है। शासकीय नौकरियों में हमने महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत तक आरक्षण का प्रावधान किया है। प्रदेश में 40 प्रतिशत से अधिक स्टार्ट-अप्स का संचालन महिलाएं कर रही हैं। बीते वर्षों में 5 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से करीब 62 लाख ग्रामीण बहनें आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। यह हमारे लिये गौरव का विषय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी नवविवाहित जोड़ों को दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं व आशीर्वाद देते हुए कहा कि 16 संस्कारों में सबसे सुंदर संस्कार पाणिग्रहण संस्कार है।

भारत का अद्भुत मिशन, अब 6000 मीटर की गहराई तक खंगाला जाएगा समुद्र का रहस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का पहला मानवयुक्त गहरा समुद्र मिशन छह हजार मीटर की गहराई तक समुद्र के रहस्य को खंगालेगा। राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइओटी) के निदेशक बालाजी रामकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि पनडुब्बी 2026 के अंत तक रवाना हो सकता है।

रामकृष्णन ने आइसीएआर-केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआइ) में कहा, मिशन के तहत छह हजार मीटर की गहराई तक गहरे समुद्र में सागर के रहस्यों का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा।

समुद्र के सफर पर होगा रवाना - तीन विज्ञानियों को लेकर समुद्र के सफर पर रवाना होगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत एनआइओटी गहरे समुद्र मिशन की नोडल एजेंसी है। स्वदेशी तकनीक से विकसित किया गया है।

स्वदेशी तकनीक से विकसित, 25 टन के चौथी पीढ़ी के यान को विशेष रूप से गहरे समुद्र में अत्यधिक दबाव और तापमान का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें टाइटेनियम से बना पतवार है। समुद्र अनुसंधान के लिए गेम-चेंजर रामकृष्णन ने कहा, यह मिशन भारत के गहरे समुद्र अनुसंधान के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है।

ढाई गुना से ज्यादा बढ़ा भारत का रक्षा बजट, पाकिस्तान समेत दुनिया ने देखी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने आतंकियों और उनके आकाओं पर कड़ा प्रहार किया। ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में चल रहे कई आतंकी ठिकाने ध्वस्त कर दिए। तिलमिलाए पाक ने दुस्साहस किया तो उसे करारा सबक सिखाया। भारत की सैन्य ताकत को दुनिया ने देखा।

सशस्त्रों बलों का आधुनिकीकरण किया- असल में यह सब भारत के मजबूत रक्षा तंत्र के चलते ही संभव हो पाया। भारत ने अपनी रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए पिछले कुछ सालों में कई अहम कदम उठाए हैं। सैन्य बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। अपने सशस्त्रों बलों का आधुनिकीकरण किया है। कई अहम रक्षा डीलें की हैं।

पिछले करीब 11 सालों में रक्षा बजट में ढाई गुणा से भी ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। यहीं नही, रणनीतिक सुधार, निजी क्षेत्र की भागीदारी और नवाचार ने स्वदेशी उत्पादन को भी बढ़ावा दिया है, जिससे भारत एक आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय रक्षा निर्यातक भी बन गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास को भी मजबूत किया - इस कदम ने राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास को भी मजबूत किया है।

अब कमांडोज के साथ बुलेटप्रूफ कार में चलेंगे विदेश मंत्री जयशंकर, भारत-पाक टेंशन के बीच बढ़ी सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने विदेश मंत्री एस जयशंकर की सुरक्षा में इजाफा किया है। एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि उनके काफिले में एक अतिरिक्त बुलेटप्रूफ वाहन जोड़कर उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई है।

क्यों बढ़ाई गई एस जयशंकर की सुरक्षा- विदेश मंत्री एस जयशंकर को वर्तमान में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल से 'Z' श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा प्राप्त है, उनको अब देशव्यापी आवागमन के लिए उन्नत सुरक्षा वाहन उपलब्ध कराया जाएगा।

सीआरपीएफ ने यह निर्णय भारत-पाकिस्तान तनाव से जुड़े हाल के खतरे के आकलन के बाद लिया, जिसमें सुरक्षा बढ़ाने की आवश्यकता बताई गई थी। गौरतलब है कि पिछले साल अक्टूबर में जयशंकर की सुरक्षा को 'Y' से बढ़ाकर 'Z' श्रेणी का कर दिया गया था। सीआरपीएफ ने दिल्ली पुलिस से जयशंकर की सुरक्षा का जिम्मा अपने हाथ में ले लिया था।

सीआरपीएफ वर्तमान में 210 से अधिक लोगों को वीआईपी सुरक्षा प्रदान कर रही है, जिनमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, दलाई लामा और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हैं।

विदेश मंत्री की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की निर्णायक सैन्य प्रतिक्रिया के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बाद लिया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 7 मई को की गई थी, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने चांदनी चौक में संपत्तियों को गिराने पर लगाई रोक, एमसीडी को लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली के चांदी चौक के फतेहपुरी इलाके में आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों को गिराने पर रोक लगा दी। कोर्ट ने एमसीडी को फटकार भी लगाई।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को फटकार लगाई- जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने एक हस्तक्षेपकर्ता की ओर से दायर क्षेत्र की तस्वीरों की जांच की और वाणिज्यिक परिसरों के निर्माण को रोकने में असमर्थ होने की बात कहने पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को फटकार लगाई।

रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया- साथ ही एमसीडी को सभी विवरणों के साथ स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया। कोर्ट ने एमसीडी को अवमानना कार्रवाई या यह निष्कर्ष निकालने की चेतावनी दी कि वे बिल्डरों के साथ मिलीभगत कर रहे हैं। पीठ ने आदेश दिया कि तब तक आवासीय भवनों के ध्वस्तीकरण और वाणिज्यिक परिसरों के निर्माण और ध्वतिकरण पर रोक लगाई जाती है।

सभी अवैध निर्माण हटा दिए गए हैं- कोर्ट में एमसीडी के वकील ने कहा कि अदालत के आदेश के अनुपालन में एक टीम ने क्षेत्र का दौरा किया और पूरे परिसर तथा आस-पास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत की। छुट्टियों के कारण रिपोर्ट रिकॉर्ड में नहीं रखी जा सकी तथा उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी अवैध निर्माण हटा दिए गए हैं।

पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार बने यूपीएससी के चेयरमैन, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय की ओर से मंगलवार को इस आशय का आदेश जारी किया गया।29 अप्रैल को प्रीति सूदन का कार्यकाल पूरा होने के बाद से यूपीएससी चेयरमैन का पद रिक्त था। आदेश के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अजय कुमार की नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान कर दी है। 1985 बैच के केरल कैडर के आइएएस अजय कुमार 23 अगस्त, 2019 से 31 अक्टूबर, 2022 तक रक्षा सचिव थे।

कितना शक्तिशाली है भारत का भार्गवास्त्र ड्रोन सिस्टम? चीन की भी निकल जाएगी हेकड़ी

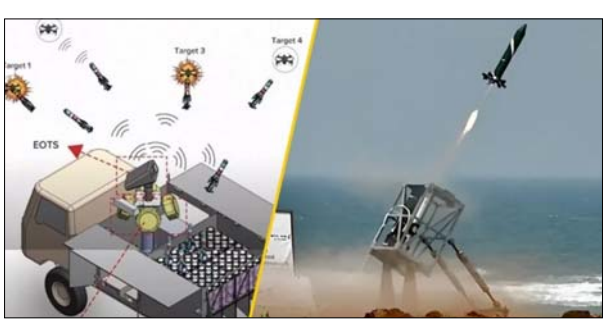

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में युद्ध भी अब हाईटेक हो चुकी है, जहां ड्रोन सबसे बड़ा और घातक हथियार बन चुका है। हाल ही में भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष में बड़े पैमाने पर ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। वहीं, रूस-यूक्रेन युद्ध में भी ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी के मद्देनजर भारत अपनी रक्षा क्षमताओं को लगातार मजबूत करता जा रहा है।

पाकिस्तान से चल रहे तनाव के बीच भारत ने स्वदेशी भार्गवास्त्र ड्रोन-रोधी प्रणाली की सफल टेस्टिंग की है। यह प्रणाली एक साथ 64 गाइडेड माइक्रो-मिसाइल दागने में सक्षम है, जो इसे ड्रोन झुंडों के खिलाफ एक अभूतपूर्व समाधान बनाती है।

सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड द्वारा ड्रोन-रोधी प्रणाली को तैयार किया गया है। सबसे खास बात है कि इस प्रणाली को विकसित करने में ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं किए गए। यह प्रणाली भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और मेक इन इंडिया मिशन की एक और सफलता को उदाहरण है।

भार्गवास्त्र की हुई तीन बार टेस्टिंग- 13 मई को ओडिशा के गोपालपुर सीवर्ड फायरिंग केंज में इस प्रणाली के माइक्रो रॉकेट्स की टेस्टिंग की गई। टेस्टिंग में रॉकेट्स ने सभी टारगेट (ड्रोन) को हिट किया। आर्मी एयर डिफेंस (एएडी) के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में रॉकेट के लिए तीन टेस्टिंग की गई।

पहली दो टेस्टिंग में एक-एक रॉकेट दागे गए। इसके बाद तीसरे टेस्टिंग में- सैल्वो मोड में दो सेकंड के अंतराल में दो रॉकेट दागे गए। चारों रॉकेट्स ने शानदार प्रदर्शन किया। रॉकेट्स ने सभी लॉन्च पैरामीटर हासिल किए।

आसान भाषा में समझें तो झुंड में आने वाले ड्रोन को मार गिराने में भी भार्गवास्त्र ने सफलता हासिल की है।

बता दें कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 400 से ज्यादा ड्रोन दागे थे। हालांकि, भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी ड्रोन को मार गिराया था।

भार्गवास्त्र की खास विशेषताएं- भार्गवास्त्र ड्रोन-रोधी प्रणाली को मुख्य तौर पर तीन अलग कामों के लिए डिजाइन किया गया है।

पहला है, अनगाइडेड माइक्रो रॉकेट्स। इन रॉकेट्स का काम ड्रोन झुंड के झुंड को मार गिराना है।

भारत को लेकर पाकिस्तानी पत्रकार कर रहा था चालाकी, अमेरिकी अधिकारी ने कर दी बोलती बंद; फटकार लगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पाकिस्तान बेचैन है। पहलगाम हमले के बाद दुनियाभर में पाकिस्तान की किरकिरी हो रही है। वहीं, पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ झूठे दावे कर रहा है। इसी बीच बुधवार को अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी थॉमस पिगोट ने एक पाकिस्तान रिपोर्टर की बोलती बंद कर दी।

दरअसल, पाकिस्तानी रिपोर्टर ने पूछा कि क्या अमेरिका इस बात से नाराज है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने %शांति समझौते% का स्वागत नहीं किया? इस सवाल पर अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी थॉमस पिगोट ने कहा कि स का ध्यान सिर्फ युद्धविराम पर है।

अमेरिकी अधिकारी ने पाकिस्तानी रिपोर्टर के आरोपों को नजरअंदाज करते हुए कहा कि हमारा ध्यान सिर्फ दोनों देशों के बीच शांति बहाल करने पर था। हम चाहते हैं कि युद्ध विराम कायम रहे, और हम सीधे बातचीत को प्रोत्साहित करना चाहते हैं।

पाकिस्तानी रिपोर्टर ने US अधिकारी के सामने अलापा कश्मीर राग - इतना ही नहीं पाकिस्तानी रिपोर्टर ने कहा कि अगर अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कश्मीर मुद्दे पर दोनों देशों के बीच शांति ला सकते हैं तो उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार भी मिल सकता है। इस पर भी थॉमस पिगोट ने कहा कि अमेरिका का ध्यान भारत-पाकिस्तान के बीच शांति स्थापित करने पर ही है।

बता दें कि कश्मीर मुद्दे को लेकर भारत की स्थिति स्पष्ट है। मंगलवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा ÷हमारा लम्बे अरसे से यही राष्ट्रीय पक्ष रहा है कि भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिस्तान को द्विपक्षीय तरीके से ही हल करना है। इस नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जैसा कि आप जानते हैं, लंबित मामला केवल पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना है।

दुनिया के सबसे गरीब राष्ट्रपति, लग्जरी लाइफ से रहते थे दूर, कैंसर से थे पीड़ित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के ऐसे राष्ट्रपति के बारे में बताते हैं, जिन्हें दुनिया के सबसे गरीब राष्ट्रपति का तमगा मिला है। ये एक ऐसे राष्ट्रपति हैं, जो जनता में बेहद मशहूर हैं। हम बात कर रहे हैं उरुग्वे के पूर्व राष्ट्रपति होजे मुइका के बारे में, होजे मुइका एक ऐसे नेता हैं, जो एक साधारण जीवन जीते थे। उनका थ्रोट कैंसर की वजह से 89 की उम्र में निधन हो गया था।

मुइका ने 2024 में खुलासा किया था कि उन्हें एसोफैजियल कैंसर है, जो बाद में उनके लीवर में फैल गया। उन्होंने तब कुछ समय बाद इलाज बंद करने का फैसला किया और अपने अंतिम दिन अपने खेत पर बिताए, जहां वे अपने पूरे राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान रहे।

कैसा था राष्ट्रपति का सफर- विद्रोही से राष्ट्रपति बनने तक मुजिका का सफर बेहद असाधारण रहा। उनका मानना था कि अगर वो लग्जरी लाइफ स्टाइल जीते हैं तो उनका जनता से तलाक हो जाएगा। क्यूबा की क्रांति से प्रेरित होकर, वे एक प्रमुख व्यक्ति बन गए, उनका एक वामपंथी गुरिल्ला समूह था जिसने 1960 और 70 के दशक में सशस्त्र विद्रोह शुरू किया था। उरुग्वे की सैन्य तानाशाही के दौरान, उन्हें पकड़ लिया गया और लगभग 15 साल जेल में बिताने पड़े, जिनमें से ज्यादातर एकांत कारावास में रहे।

मेरे हाथों को तार से बांध दिया गया था - 2020 के एक इंटरव्यू के दौरान, मुइका ने अपने जीवन से जुड़ी क्रूर परिस्थितियों का वर्णन किया था। उन्होंने बताया, 6 महीने तक मेरे हाथों को मेरी पीठ के पीछे करके तार से बांध दिया गया, दो साल तक बिना बाथरूम गए। 1985 में लोकतंत्र बहाल होने के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया और बाद में उन्होंने मूवमेंट ऑफ़ पॉपुलर पार्टिसिपेशन की सह-स्थापना की, जिसके तहत उन्होंने विधायिका में सीटें जीतीं। 50त्न से ज़्यादा वोट हासिल करने के बाद वे 2010 में उरुग्वे के राष्ट्रपति बने।

बड़े सुधारों वाला एक विनम्र नेता - अपने 2010-2015 के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान, मुइका ने उरुग्वे को आर्थिक विकास के माध्यम से आगे बढ़ाया और लैटिन अमेरिका के कुछ सबसे प्रगतिशील सुधारों को आगे बढ़ाया।

कौन हैं कनाडा की नई विदेश मंत्री अनीता आनंद, जिन्होंने गीता पर हाथ रखकर ली शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मंगलवार को अपने कैबिनेट में फेरबदल की घोषणा की, जिसमें भारतीय मूल की अनीता आनंद को विदेश मंत्री के रूप में नियुक्त किया है।

पहली बार हिन्दू महिला बनी कनाडा की विदेश मंत्री- यह कदम उन्होंने हाल ही में पुन निर्वाचित लिबरल सरकार के गठन के तहत उठाया है। अनीता आनंद ने मंगलवार को गीता पर हाथ रखकर नए विदेश मंत्री के रूप में शपथ ली। वह कनाडा की विदेश मंत्री बनने वाली पहली हिन्दू महिला भी हैं।

कनाडा कई विदेशी मामलों की चुनौतियों से निपट रहा है। इस साल की शुरुआत में जस्टिन ट्रूडो की जगह लेने वाले और पिछले महीने चुनाव जीतने वाले कार्नी ने अनीता आनंद को मेलानी जोली की जगह विदेश मंत्री नियुक्त किया है। मेलानी जोली को उद्योग मंत्री बनाया गया है। अनीता आनंद ने पहले रक्षा मंत्री सहित कई भूमिकाएं निभाई हैं। अनीता आनंद का जन्म केंटविले, नोवा स्कोटिया में हुआ था। उनके माता-पिता भारतीय फिजिशियन थे। उनके पिता तमिलनाडु से थें और मां पंजाब से थीं। अनीता की दो बहनें हैं गीता और सोनिया आनंद।

बहामास में भारतीय मूल के अमेरिकी छात्र की मौत, मामले की जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के छात्र की बहामास में एक होटल की बालकनी से गिरने के कारण मौत हो गई। 25 वर्षीय गौरव जयसिंह मैसाचुसेट्स के वाल्थम में बेंटले विश्वविद्यालय के छात्र थे और रविवार को दुर्घटना में उनकी मौत हो गई। वे कॉलेज ट्रिप पर बहामास की यात्रा पर गए थे।

जयसिंह इस हफ्ते के अंत में स्नातक होने वाले थे। बेंटले विश्वविद्यालय की ओर से एक्स पोस्ट में कहा गया है कि पिछले कुछ दिन बहुत मुश्किल भरे रहे हैं। हमारी संवेदनाएं गौरव के परिवार और दोस्तों के साथ हैं। हम 17 मई को होने वाले स्नातक दीक्षा समारोह में गौरव को सम्मानित करने की योजना बना रहे हैं।

मामले की जांच कर रहे अधिकारी - स्थानीय अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि गौरव दुर्घटनावश बालकनी से गिर गए। हम उनके परिवार की गोपनीयता का सम्मान करते हुए उपलब्ध होने पर अधिक जानकारी साझा करेंगे।

भारत-पाकिस्तान साथ डिनर करें, दोनों देशों को लेकर ट्रंप ने फिर किया बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच फिलहाल तनाव कम है। दोनों के बीच सीजफायर लागू हो गया है। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत-पाक के बीच संबंधों को बेहतर करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका की मध्यस्थता के बाद भारत और पाकिस्तान संघर्ष विराम के लिए तैयार हो गए। अब ट्रंप ने दोनों देशों को खाने पर जाने को कहा है।

हमें मिसाइल नहीं चलो बिजनेस करें- ट्रंप ने एक पोस्ट में कहा, दोनों देशों के पास बहुत शक्तिशाली, मजबूत और चतुर नेता हैं। यह सब रुक गया और उम्मीद है कि यह ऐसे ही रहेगा वे (भारत-पाकिस्तान) सच में साथ मिल रहे हैं। शायद हम उन्हें साथ में लाकर एक अच्छा डिनर भी करा सकें। उस संघर्ष में लाखों लोग मारे जा सकते थे जो छोटे से शुरू हुआ और दिन-ब-दिन बड़ा होता जा रहा था। उन्होंने कहा, हमें परमाणु मिसाइलों का व्यापार नहीं करना चाहिए, बल्कि वस्तुओं का व्यापार करना चाहिए, उन अच्छी चीजों का जो आप बनाते हैं। शायद हम उन्हें थोड़ा साथ ला सकें। जहां वे बाहर जाकर साथ में अच्छा खाना खा सकें। ट्रंप ने आगे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उनके योगदान के लिए प्रशंसा की।

ट्रम्प ने आगे दावा किया, हमने कुछ दिन पहले ही ऐतिहासिक युद्ध विराम पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष में लाखों लोग मारे जा सकते थे। बता दें यूएस-सऊदी निवेश फोरम में राष्ट्रपति ट्रंप ने ये दावा किया है। उन्होंने कहा है- मेरी सबसे बड़ी उम्मीद शांति निर्माता और एकजुटता लाने वाला बनना है।

मोहम्मद तुम रात में कैसे सोते हो?, ट्रंप ने मंच से पूछा तो मुस्कुराने लगे सऊदी प्रिंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रियाद में वैश्विक बिजनेस समिट के दौरान सऊदी के क्राउन प्रिंस से एक ऐसा सवाल कर लिया, जिसके बाद वहां मौजूद लोगों के बीच हलचल मच गई।

कार्यक्रम के दौरान सऊदी के प्रिंस की जमकर तारीफ करते हुए ट्रंप ने सवाल किया, मोहम्मद, रात में तुम कैसे सोते हो? अमेरिकी राष्ट्रपति ने सऊदी प्रिंस की आलोचनाओं पर काबू पाने और अपने देश को एक शक्तिशाली व्यापारिक केंद्र बनाने के लिए भी प्रशंसा की।

ट्रंप ने कहा, वे रातभर करवटें बदलते हैं और सोचते रहते हैं कि इसे और बेहतर कैसे बनाया जाए। असल में जो लोग करवटें नहीं बदलते वो आपको कभी भी मंजिल तक नहीं ले जाएंगे। ट्रंप की इस प्रशंसा से बिन सलमान को हंसी आ गई और दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया।

एमबीएस के नेतृत्व में सऊदी अरब के परिवर्तन के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए ट्रंप ने कहा, आलोचकों को संदेह था कि यह (सऊदी का उत्थान) संभव है, आपने जो किया है, वह संभव है, लेकिन पिछले आठ वर्षों में सऊदी अरब ने आलोचकों को पूरी तरह से गलत साबित कर दिया है। मैं बिन सलमान को बहुत पसंद करता हूं।

अमेरिका और सऊदी अरब के बीच गहरे संबंध के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए ट्रंप ने घोषणा की कि वह एमबीएस और तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन के अनुरोध पर सीरिया पर प्रतिबंध हटा रहे हैं और कहा, ओह, मैं क्राउन प्रिंस के लिए क्या नहीं कर सकता।

कतर के लग्जरी गिफ्ट को खतरा क्यों मान रहे अमेरिकी एक्सपर्ट? ट्रंप को दिए जा रहे विमान में क्या है खास

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कतर 3400 करोड़ रुपए का आलीशान बोइंग 747 प्लेन गिफ्ट करने वाला है। कतर के इस गिफ्ट से अमेरिकी की खुफिया विभाग में बेचैनी बढ़ गई है। इस गिफ्ट को लेकर अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों के विशेषज्ञ गंभीर चिंता जता रहे हैं।

उनका कहना है कि ऐसा कोई भी गिफ्ट, विशेष रूप से किसी विदेशी सरकार की ओर से, जासूसी, निगरानी और संचार प्रणालियों में सेंधमारी का बड़ा खतरा बन सकता है।

अमेरिकी एक्सपर्ट की चेतावनी- एबसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व कार्यकारी होमलैंड सुरक्षा अधिकारी जॉन कोहेन ने इस मामले में कहा, सबसे पहले सेना को यह सुनिश्चित करने के लिए काफी प्रयास करने होंगे कि विमान सुरक्षित रूप से बनाया गया है या नहीं। साथ ही इसमें लगाई जा रही खुफिया जानकारी एकत्र करने की क्षमताओं से कोई समझौता नहीं किया गया है, और यह इस तरह से बनाया गया हो कि यह संवेदनशील संचार और जवाबी कार्रवाई क्षमताओं को आत्मसात करने में सक्षम होगा जो किसी भी विमान में मौजूद हैं, जैसे कि एयर फोर्स वन।

विमान में करने होंगे बदलाव- सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी के पूर्व स्टेशन प्रमुख थैड ट्रॉय ने इस मामले में कहा, अगर हमने यह जानते हुए विमान बनाया होता कि यह किसी विदेशी सरकार को जा रहा है, तो हम शायद इसकी जासूसी करते। अमेरिका का कानून विदेशों से इस तरह के गिफ्ट्स लेने पर सख्त मनाही की बात करता है।

महिलाएं राफेल उड़ा सकती हैं, तो सेना की कानूनी शाखा में क्यों नहीं जा सकती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इसी कड़ी में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से एक सवाल किया है, जो काफी ज्यादा सुर्खियों में आ गया है।

दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने सवाल करते हुए पूछा है कि यदि भारतीय वायुसेना में में एक महिला राफेल लड़ाकू विमान उड़ा सकती है, तो सेना की जज एडवोकेट जनरल ब्रांच के जेंडर-न्यूट्रल पदों पर कम हमला अधिकारी क्यों हैं?

क्या है मामला - दो महिला अधिकारियों अर्शनूर कौर और आस्था त्यागी ने याचिका दायर की थी कि उनके चौथा और पांचवां रैंक होने के बावजूद, मेरिट में अपने पुरुष साथियों की तुलना में ज्यादा होने के बाद भी, महिलाओं के लिए कम वैकेंसीज की वजह से जेएजी डिपार्टमेंट के लिए उन्हें सेलेक्ट नहीं किया गया।

इस पर सुनवाई करते हुए जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। बता दें, दोनों महिला अधिकारियों ने पुरुषों और महिलाओं के लिए असमानुपातिक रिक्तियों को चुनौती दी थी और कहा था कि उनका चयन नहीं किया जा सकता क्योंकि कुल छह पदों में से महिलाओं के लिए केवल तीन रिक्तियां थी।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा, ÷पहली नजर में हम याचिकाकर्ता अर्शनूर कौर द्वारा स्थापित मामले से संतुष्ट हैं। हम प्रतिवादियों को निर्देश देते हैं कि वे जज एडवोकेट जनरल के रूप में नियुक्ति के लिए अगले ट्रेनिंग कोर्स में उसे शामिल करने से जो भी कार्रवाई जरूरी है, उसे शुरू करें।

बेंच ने एक अखबार के लेख का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि एक महिला पायलट राफेल लड़ाकू विमान उड़ाएगी और कहा कि ऐसी स्थिति में उसे युद्ध बंदी के रूप में भी लिया जा सकता है।

चीन के बाद तुर्किये के प्रोपेगेंडा पर भारत की कार्रवाई

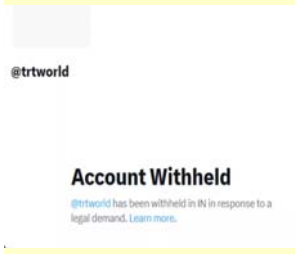

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर कार्रवाई करते हुए कई सरकारी एक्स अकाउंट और वहां के अभिनेता और अभिनेत्रियों के एक्स अकाउंट पर भारत में बैन लगाया था। इसके बाद भारत सरकार ने चीन के ग्लोबल टाइम्स पर भी रोक लगा दी। अब भारत ने पाकिस्तान के दोस्त तुर्किये पर एक्शन लिया है और तुर्किये के ब्रॉडकास्टर टीआटी वर्ल्ड के एक्स अकाउंट पर भारत में रोक लगा दी है।

चीन के ग्लोबल टाइम्स के एक्स अकाउंट पर क्यों लगी रोक- भारतीय सेना पर अपुष्ट दावे फैलाने पर केंद्र सरकार ने बुधवार को चीन के सरकारी एक्स हैंडल पर प्रतिबंध लगा दिया।

यह प्रतिबंध ऐसे समय में लगाया गया है जब कुछ दिन पहले चीन में भारतीय दूतावास ने मीडिया आउटलेट को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले तथ्यों की पुष्टि करने की सख्त चेतावनी दी थी।

दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ग्लोबल टाइम्सन्यूज, हम आपको सलाह देंगे कि इस तरह की गलत सूचना को आगे बढ़ाने से पहले आप अपने तथ्यों को सत्यापित कर लें और अपने स्रोतों की जांच कर लें।

देश के 52वें चीफ जस्टिस बने बीआर गवई, शपथ लेते ही छुए मां के पैर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के 52वें चीफ जस्टिस के रूप में जस्टिस बीआर गवई ने शपथ ले ली है और राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने उन्हें शपथ दिलाई है। जस्टिस गवई भारत के पहले बौद्ध ष्ट्छ्द्ध हैं और आजादी के बाद देश में दलित समुदाय से वे दूसरे सीजीआई हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में उनका कार्यकाल छह महीने का होगा।

जस्टिस बीआर गवई के मुख्य फैसले- जस्टिस बीआर गवई के मुख्य फैसलों की बात करें तो उनमें बुलडोजर जस्टिस के खिलाफ तोड़फोड़, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को बरकरार रखना, डिमोनेटाइजेशन को बरकरार रखना, अनुसूचित जाति कोटे में उप-वर्गीकरण को बरकरार रखना जैसे कई महत्वपूर्ण फैसले शामिल हैं।

बुलडोजर सिस्टम पर जस्टिस गवई ने क्या कहा- बुलडोजर जस्टिस पर फैसला सुनाते समय उन्होंने आश्रय के अधिकार के महत्व पर जोर दिया था। मनमाने ढंग से तोड़फोड़ की निंदा करते हुए उन्होंने इस तरह की कार्रवाईको प्राकृतिक न्याय और कानून के शासन के सिद्धांतों के खिलाफ बताया था। अपने फैसले में उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि कार्यपालिका, जज, जूरी और जल्लाद की भूमिका नहीं निभा सकती है।

बांग्लादेश में अवामी लीग पर प्रतिबंध से भारत चिंतित, जल्द चुनाव कराने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मंगलवार को कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा उचित प्रक्रिया के बिना पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय चिंताजनक है। नई दिल्ली ने बांग्लादेश में जल्द से जल्द स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराने की भी मांग की है।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत 12 मई को अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया था।

अवामी लीग पर प्रतिबंध चिंताजनक- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा, उचित प्रक्रिया के बिना अवामी लीग पर प्रतिबंध चिंताजनक है। लोकतंत्र के रूप में, भारत स्वाभाविक रूप से लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं के कमजोर होने को लेकर चिंतित है। हम बांग्लादेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनावों के शीघ्र आयोजन का समर्थन करते हैं। ढाका ने कहा है कि अवामी लीग और उसके सभी संबद्ध संगठनों की सभी गतिविधियों पर तब तक प्रतिबंध रहेगा जब तक कि अवामी लीग के नेताओं और सदस्यों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में चल रहे मुकदमे का निस्तारण नहीं हो जाता।

यूनुस के प्रवक्ता शफीकुल आलम ने जारी किया बयान- भारत की प्रतिक्रिया के बाद यूनुस के प्रवक्ता शफीकुल आलम ने बयान में कहा कि यह प्रतिबंध बांग्लादेश की राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा करने, शेख हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलन में भाग लेने वाले कार्यकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के गवाहों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है।

इससे सच्चाई नहीं बदल जाएगी, अरुणाचल प्रदेश में जगहों के नाम बदलने पर भारत की चीन को दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन लगातार भारत के खिलाफ एक्शन लेता रहा है। चीन ने एक बार फिर नापाक हरकत की है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश की कई जगहों के नाम बदले हैं।हालांकि विदेश मंत्रालय (एमईए) ने चीन के नाम बदलने की इस एक्शन को खारिज कर दिया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने देखा है कि भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के नाम रखने की अपनी व्यर्थ कोशिशों को जारी किए हुए है। हमारे सैद्धांतिक रुख के अनुरूप, हम इस तरह के प्रयासों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल चीन को सख्त संदेश भेजते हुए कहा- नाम बदलने का काम इस सच्चाई को नहीं बदलेगा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा। चीन अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा करते हुए इसे दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताता है।

पहले भी चीन के दावे को भारत ने किया खारिज

चीन, जो अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा मानता है, अक्सर पूर्वोत्तर राज्य के कई स्थानों के नाम बदलकर नक्शे जारी करता रहा है। 2024 में, चीन ने अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों के 30 नए नामों की लिस्ट जारी की थी, जिसे भारत ने स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। अरुणाचल प्रदेश को लेकर भारत और चीन के बीच सीमा विवाद लंबे समय से टकराव का स्रोत रहा है। यह क्षेत्र चीन के तिब्बत क्षेत्र के साथ सीमा साझा करता है।

क्या है भारत-चीन का विवाद - भारत और चीन के बीच विवाद कई सालों से है। दोनों के बीच की सीमा को वास्तविक नियंत्रण रेखा कहते हैं। इस मैकमोहन रेखा कहा जाता है, यह भारत के अरुणाचल प्रदेश को तिब्बत से अलग करती है। हालांकि, चीन इसे मान्यता नहीं देता और अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बता कर इस पर दावा करता है। चीन अरुणाचल प्रदेश को जांगनान कहता है।

दहेज विरोधी कानून के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, इस मामले पर कर दी बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दहेज विरोधी कानून के दुरुपयोग पर मंगलवार को चिंता जताई। वैवाहिक मामलों में पत्नियों द्वारा पतियों के रिश्तेदारों, विशेषकर बुजुर्ग माता-पिता के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और क्रूरता के प्रविधानों के दुरुपयोग को लेकर चिंता जताते हुए जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा, क्रूरता शब्द का दुरुपयोग किया जा रहा है।

शीर्ष कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा दोषी ठहराए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुनाते हुए यह टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता को भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए (क्रूरता) और दहेज निषेध अधिनियम, 1961 की धारा चार के तहत आरोपों से बरी कर दिया।

आपराधिक मामले के समय और इरादे पर सवाल उठते हैं- फैसले में कहा गया कि मामले में एफआइआर पति द्वारा तलाक की याचिका दायर करने के लगभग एक साल बाद दर्ज की गई थी, जिससे आपराधिक मामले के समय और इरादे पर सवाल उठते हैं। विशिष्ट उदाहरणों के बिना क्रूरता को सरलता से स्थापित नहीं किया जा सकता। बिना किसी विशेष तारीख, समय या घटना का उल्लेख किए इन धाराओं को जोड़ने की प्रवृत्ति अभियोजन के मामले को कमजोर करती है और शिकायतकर्ता की विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह उत्पन्न करती है।

पीठ ने कहा, हम इस बात से चिंतित हैं कि आइपीसी की धारा 498ए और दहेज निषेध अधिनियम, 1961 की धाराओं तीन और चार के तहत शिकायतकर्ता पत्नियों द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से बुजुर्ग माता-पिता, दूर के रिश्तेदारों, और अलग रहने वाली विवाहित बहनों को आरोपित बनाया जा रहा है।

पति के हर रिश्तेदार को शामिल करने की प्रवृत्ति बढ़ रही - पति के हर रिश्तेदार को शामिल करने की बढ़ती प्रवृत्ति से पत्नी या उसके परिवार के सदस्यों के दावों पर गंभीर संदेह उत्पन्न होता है और इससे कानून के उद्देश्य विफल होता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण तृतीया

संपादकीय

भारतीय संस्कृति के बारे में कहा जाता है कि सृष्टि में मानवीय योनि की पहचान यहीं से हुई है....

हजारों वर्ष पुरानी भारतीय संस्कृति के बारे में कहा जाता है कि सृष्टि में मानवीय योनि की पहचान यहीं से हुई है, जो बंदरों से विकसित होते हुए मानवीय योनि तक विकसित हुई और बौद्धिक क्षमता का विकास होते गया, जिसकी भव्यता हम वर्तमान स्तर में देख रहे हैं कि मानवीय योनि ने दुनियाँ को कहां से कहां और कैसी डिजिटल स्थिति में पहुंचा दिया कि,साक्षात मानवीय आकृति रोबोट बना दिया जो पूरी तरह से मानवीय कार्य करने में सक्षम है, जो मानवीय बौद्धिक क्षमता का प्रमाण है। परंतु अगर हम इस तकनीकी प्रौद्योगिकी मेड मानव से हटकर सृष्टि रचयिता मानव में तकनीकी स्तरपर गुणों, व्यक्तित्व का विकास करने पर ध्यान दें तो हर मानवीय जीव अपने अपने स्तरपर एक अनोखा इतिहास रच सकते हैं, जिसके सहयोग से हम विश्व को कहां से कहां ले जा सकते हैं। चूंकि हम यहां मानवीय गुणों के विकास की बात कर रहे हैं तो सबसे महत्वपूर्ण गुण मानवीय व्यक्तित्व व उसकी संगत है क्योंकि मनुष्य जिसकी संगत में रहता है उसी के ही नक्शे कदम पर चलता है, किस हालत में कहां पैदा हुआ है उससे फर्क नहीं पड़ता,परंतु किस संगति में रह रहे हैं किन लोगों के साथ उठना बैठना बातचीत है, कैसे लोगों के माहौल में रह रहे हैं, यह हमारी सोच और सोचनें की प्रवृत्ति बनाते हैं,जो हमारी जिंदगी बनाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करती है, इसलिए हमें गलत माहौल से निकाल कर अच्छे माहौल में रहने के सुझाव को रेखांकित करना होगा जो हर मानव अपने आप में पहचानकर उसमें अपने आप को ढाले तो वह स्वयं इतिहास रच सकता है। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,अच्छी संगत व माहौल हमारी काबिलियत का लोहा मनवाने में मील का पत्थर सटीक साबित होगा।

साथियों बात अगर हम भारतीय संस्कृति में पले मानवीय जीव की करें तो मेरा मानना है कि सदियों से हर मानवीय जीव की अभिलाषा रहती है कि मेरे बच्चे इतनी ऊंची सकारात्मक तरक्की करें कि मैं अपने बच्चों के नाम से पहचाना जाऊं कि यह फ़लाने के पिता हैं! बिल्कुल सही बात! बस! इसके लिए हर व्यक्ति को चाहे वह मेल हो या फीमेल उसके संबंध में माता-पिता शिक्षक समाज सबका एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि अपने बच्चों के व्यक्तित्व को निखारें उसके सही संगत में रहने का ध्यान रखेंक्योंकि हर बालक अनगढ़ पत्थर की तरह है जिसमें सुन्दर मूर्ति छिपी है, जिसे शिल्पी की आँख देख पाती है। वह उसे तराश कर सुन्दर मूर्ति में बदल सकता है। क्योंकि मूर्ति पहले से ही पत्थर में मौजूद होती है शिल्पी तो बस उस फालतू पत्थर को जिसमें मूर्ति ढकी होती है, एक तरफ कर देता है और सुन्दर मूर्ति प्रकट हो जाती हैमाता-पिता शिक्षक और समाज बालक को इसी प्रकार सँवार कर खूबसूरत व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। एक अच्छे व्यक्तित्व निर्माण के मूल्यों के नियम बच्चों में रखना जरूरी है। इसलिए सबसे पहले बच्चों में या हमने खुद में समझदारी, धैर्य, उच्च विचार, गुस्से पर कंट्रोल सच्चाई पारदर्शिता को अपनाकर खुद को पहचाने जो बच्चे को अच्छे माहौल में रखकर प्राप्त किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम अपने व्यक्तित्व की करें तो, हर मनुष्य का अपना-अपना व्यक्तित्व है। वही मनुष्य की पहचान है। कोटि-कोटि मनुष्यों की भीड़ में भी वह अपने निराले व्यक्तित्व के कारण पहचान लिया जाएगा। यही उसकी विशेषता है,यही उसका व्यक्तित्व है। प्रकृति का यह नियम है कि एक मनुष्य की आकृति दूसरेसे भिन्न है।आकृति का यह जन्मजात भेद आकृति तक ही सीमित नहीं है।

विश्व परिवार दिवस

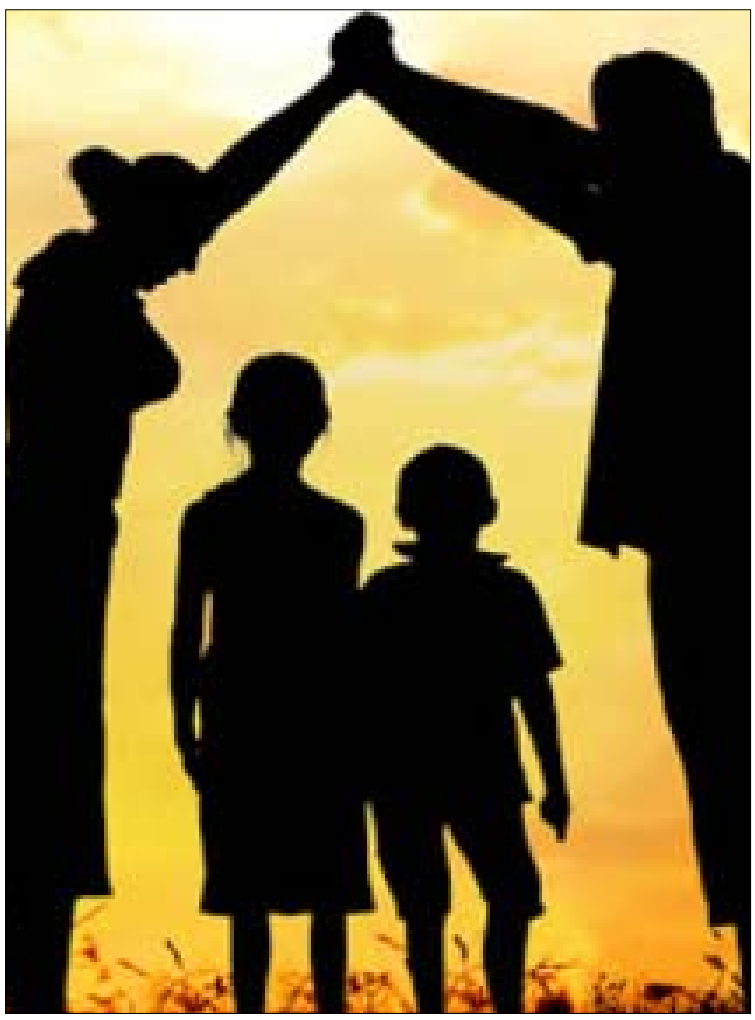

विश्व परिवार दिवस 15 मई को मनाया जाता है। प्राणी जगत में परिवार सबसे छोटी इकाई है या फिर इस समाज में भी परिवार सबसे छोटी इकाई है। यह सामाजिक संगठन की मौलिक इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है। प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी परिवार का सदस्य रहा है या फिर है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। हमारी संस्कृति और सभ्यता कितने ही परिवर्तनों को स्वीकार करके अपने को परिष्कृत कर ले, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। उसके स्वरूप में परिवर्तन आया और उसके मूल्यों में परिवर्तन हुआ लेकिन उसके अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में हम पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि अनुभव करते हैं।

इतिहास

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ने 1994 को अंतर्राष्ट्रीय परिवार वर्ष घोषित किया था। समूचे संसार में लोगों के बीच परिवार की अहमियत बताने के लिए हर साल 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाने लगा है। 1995 से यह सिलसिला जारी है। परिवार की महत्ता समझाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस दिन के लिए जिस प्रतीक चिह्न को चुना गया है, उसमें हरे रंग के एक गोल घेरे के बीचों बीच एक दिल और घर अंकित किया गया है। इससे स्पष्ट है कि किसी भी समाज का केंद्र परिवार ही होता है। परिवार ही हर उम्र के लोगों को सुकून पहुँचाता है।

अथर्ववेद में परिवार की कल्पना करते हुए कहा गया है,

अनुव्रतः पितुः पुत्रो मात्रा भवतु संमनाः।
जाया पत्ये मधुमतीं वाचं वदतु
शन्तिवाम॥

अर्थात पिता के प्रति पुत्र निष्ठावान हो। माता के साथ पुत्र एकमन वाला हो। पत्नी पति से मधुर तथा कोमल शब्द बोले।

परिवार कुछ लोगों के साथ रहने से नहीं बन जाता। इसमें रिश्तों की एक मज़बूत डोर होती है, सहयोग के अटूट बंधन होते हैं, एक-दूसरे की सुरक्षा के वादे और इरादे होते हैं। हमारा यह फ़र्ज़ है कि इस रिश्ते की गरिमा को बनाए रखें। हमारी संस्कृति में, परंपरा में पारिवारिक एकता पर हमेशा से बल दिया जाता रहा है। परिवार एक संसाधन की तरह होता है। परिवार की कुछ अहम ज़िम्मेदारियां भी होती हैं। इस संसाधन के कई तत्व होते हैं।

दूलनदास ने कहा है, दूलन यह परिवार
सब, नदी नाव संजोग।
उतरि परे जहं-तहं चले, सबै बटाऊ
लोग॥

जैनेन्द्र ने इतस्तत में कहा है, परिवार मर्यादाओं से बनता है। परस्पर कर्तव्य होते हैं, अनुशासन होता है और उस नियत परम्परा में कुछ जनों की इकाई हित के आसपास जुटकर व्यूह में चलती है। उस इकाई के प्रति हर सदस्य अपना आत्मदान करता है, इज़्ज़त ख़ानदान की होती है। हर एक उससे लाभ लेता है और अपना त्याग देता है।

हर साल की थीम

इस दिन के लिए हर साल की थीम

2013- सामाजिक एकता और अंत-पीढ़ीगत एकजुटता

2012- कार्य-परिवार संतुलन सुनिश्चित करना

2011 परिवारिक ग़रीबी और सामाजिक बहिष्करण के लिए भिड़ना

2010 दुनिया भर के परिवारों पर पलायन का प्रभाव

2009 माताएँ और परिवार- एक बदलती दुनिया में चुनौतियां

2008 पिता और परिवार- जिम्मेदारियां और चुनौतियां

2007 परिवार और व्यक्ति विकलांगों सहित

2006 परिवार बदलना- चुनौतियां और अवसर

2005 एचआईवी / एड्स और परिवार भलाई

2004 परिवार के अंतरराष्ट्रीय वर्ष की दसवीं वर्षगांठ- लड़ाई के लिए एक फ्रेमवर्क

2003 2004 में परिवार के अंतरराष्ट्रीय वर्ष की दसवीं वर्षगांठ के पालन के लिए तैयारी

2002 परिवार और बूढ़े- अवसर और चुनौतियां

2001 परिवार और स्वयंसेवक- सामाजिक सामंजस्य बिल्डिंग

2000 परिवार- एजेंटों और विकास के लाभार्थियों

1999 सभी उम्र के लिए परिवार

1998 परिवार- मानवाधिकार के शिक्षकों और प्रदाता

1997 पार्टनरशिप के आधार पर परिवार बिल्डिंग

1996 परिवार- सबसे पहले ग़रीबी और बेघर पीड़ित

भारतीय परिवार

एक कृषि प्रधान देश है। यहाँ की पारिवारिक रचना कृषि की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर की गयी है। इसके अतिरिक्त भारतीय परिवार में परिवार की मर्यादा और आदर्श परंपरागत है। विश्व के किसी अन्य समाज़ में गृहस्थ जीवन की इतनी पवित्रता, स्थायीपन, और पिता - पुत्र, भाई - भाई और पति - पत्नी के इतने अधिक व स्थायी संबंधों का उदाहरण प्राप्त नहीं होता। विभिन्न क्षेत्रों, धर्मों, जातियों में सम्पत्ति के अधिकार, विवाह और विवाह विच्छेद आदि की प्रथा की दृष्टि से अनेक भेद पाए जाते हैं, किंतु फिर भी संयुक्त परिवार का आदर्श सर्वमान्य है। संयुक्त परिवार में संबंधी पति - पत्नी, उनकी अविवाहित संतानों के अति रिक्त अधिक व्यापक होता है। अधिकतर परिवार में तीन पीढ़ियों और कभी कभी इससे भी अधिक पीढ़ियों के व्यक्ति एक ही घर में, अनुशासन में और एक ही रसोईघर से संबंध रखते हुए सम्मिलित संपत्ति का उपभोग करते हैं और एक साथ ही परिवार के धार्मिक कृत्यों तथा संस्कारों में भाग लेते हैं। मुसलमानों और ईसाइयों में संपत्ति के नियम भिन्न हैं, फिर भी संयुक्त परिवार के आदर्श, परंपराएँ और प्रतिष्ठा के कारण इनका सम्पत्ति के अधिकारों का व्यावहारिक पक्ष परिवार के संयुक्त रूप के अनुकूल ही होता है। संयुक्त परिवार का कारण भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के अतिरिक्त प्राचीन परंपराओं तथा आदर्श में निहित है। रामायण और महाभारत की गाथाओं द्वारा यह आदर्श जन जन प्रेषित है।

परिवार संस्था का विकास

विवाह का परिवार के स्वरूपों से गहन संबंध है। लेविस मार्गन जैसे विकासवादियों का मत है कि मानव समाज की प्रारंभिक अवस्था में विवाह प्रथा प्रचलित नहीं थी और समाज में पूर्ण कामाचार का प्रचलन था। इसके बाद समय के साथ साथ धीरे धीरे सामाजिक विकास के क्रम में यूथ विवाह, जिसमें कई पुरुषों और कई स्त्रियों का सामूहिक रूप से पति पत्नी होना), बहुपति विवाह, बहुपत्नी विवाह और एक पत्नी या एक पति की व्यवस्था समाज में विकसित हुई। वस्तुत- बहुविवाह और एकपत्नी की प्रथा असभ्य एवम सभ्य दोनों ही समाजों में पाई जाती है। अत- यह मत सुसंत प्रतीत नहीं होता। मानव शिशु के पालन पोषण के लिए एक दीर्घ अवधि अपेक्षित है। पहले शिशु की बाल्यावस्था में ही दूसरे अन्य छोटे शिशु उत्पन्न होते रहते हैं। गर्भावस्था और प्रसूति के समय में माता की देख-रेख का होना आवश्यक है। पशुओं की भाँति मनुष्य में रति की कोई विशेष ऋतु निश्चित नहीं है। अत- संभावना है कि मानव समाज के आरंभ में या तो पूरा समुदाय ही या केवल पति पत्नी और शिशुओं का समूह ही परिवार कहलाता था।

यूपी में सेमीकंडक्टर प्लांट को कैबिनेट की मंजूरी, जानिए किस शहर में लगेगा प्लांट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का छठा सेमीकंडक्टर प्लांट उत्तर प्रदेश में लगने जा रहा है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस समय देश में पांच सेमीकंडक्टर यूनिट निर्माण के अलग-अलग चरण में हैं। इस छठे प्लांट के लगने के बाद भारत में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री की स्थिति काफी मजबूत हो जाएगी।

प्लांट लगाने में कितना होगा निवेश- कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश में जिस प्लांट को मंजूरी दी है, वह एचसीएल और फॉक्सकॉन का जॉइंट वेंचर है। एचसीएल का हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग में पुराना अनुभव है। दूसरी तरफ, फॉक्सकॉन वैश्विक स्तर पर जानी-मानी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है। इस प्लांट को लगाने में करीब 3700 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

यूपी में कहां लगेगा प्लांट- यह प्लांट यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के पास स्थापित किया जाएगा। यहां मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऑटोमोबाइल, पीसी तथा डिस्प्ले वाली अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के लिए डिस्प्ले ड्राइवर चिप बनाए जाएंगे। इस प्लांट को प्रति माह 20,000 वेफर्स के लिए डिजाइन किया जाएगा। इसकी उत्पादन क्षमता 3.6 करोड़ यूनिट प्रतिमाह की होगी। सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि इस समय देश में कई जगहों पर सेमीकंडक्टर इकाइयों का निर्माण चल रहा है। इसके लिए विश्वस्तरीय डिजाइन फैसिलिटी कई राज्यों में स्थापित हुई हैं। राज्य सरकारें भी डिजाइनिंग कंपनियों को बढ़ावा दे रही हैं।

(India chip mission) अभी 270 अकादमिक संस्थान और 70 स्टार्टअप में छात्र और उद्यमी वर्ल्ड क्लास डिजाइन टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं, ताकि नए प्रोडक्ट डेवलप किए जा सकें।

क्यों जरूरी हैं सेमीकंडक्टर प्लांट- देश में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री की स्थापना के साथ इस क्षेत्र के इकोसिस्टम पार्टनर भी भारत आ रहे हैं। दुनिया की दो बड़ी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों - अप्लाइड मैटेरियल्स और लैम रिसर्च की भारत में मौजूदगी है।

50% से ज्यादा गिरा नेट प्रॉफिट, शेयर्स पर दिखा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा मोटर्स सहित कई बड़ी कंपनियों ने चौथी तिमाही के रिजल्ट का ऐलान किया है। आज हम खास तौर पर टाटा मोटर्स के रिजल्ट और इसके शेयर्स पर दिखने वाले असर के बारे में बात करेंगे। 13 मई को टाटा मोटर्स ने अपनी चौथी तिमाही के नतीजों को पब्लिक किया।

हालांकि ये नतीजे उम्मीद से काफी कम रहे। चौथी तिमाही में कंपनी के मुनाफे में 51 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। टाटा मोटर्स का प्रॉफिट 8470 करोड़ रुपये रहा है। इसका असर आज कंपनी के शेयर्स पर देखने को मिल रहा है। सुबह के कारोबार में टाटा मोटर्स के शेयर 1.42 फीसदी गिरे हुए थे।

अब तक कितना गिरा शेयर का दाम- दिन के करीब 12 बजे टाटा मोटर्स के शेयर की कीमत 696 रुपये चल रही थी। इसके शेयर में लगभग 12 रुपये की गिरावट थी।

14 मई को शेयर बाजार खुलते ही बीएसई में इसकी कीमत 688 रुपये प्रति शेयर्स चल रही थी। जिसके बाद से ही इसकी कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। एनएसई निफ्टी में टाटा मोटर्स के शेयर 686 रुपये तक गिरे। दिन के 12 बजे के आसपास इसकी कीमत 696.50 रुपये चल रही थी।

कंपनी के ऑफिशियल वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार चौथी तिमाही के मुनाफे में 51 फीसदी की गिरावट आई है। अब कंपनी का प्रॉफिट 8470 करोड़ रुपये ही रह गया है।

तेजस बनाने वाली डिफेंस कंपनी का आया रिजल्ट, जानें निवेशकों को मुनाफा हुआ या नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस स्टॉक्स में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएल का बड़ा नाम है। ये कंपनी हेलीकॉप्टर, एवियोनिक्स और कई तरह के एयरोस्पेस इक्विपमेंट बनाने का भी काम करती है। आज हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने अपने चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए। चलिए पहले रिजल्ट के बारे में बात करते हैं।

कैसा रहा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स का नतीजा- वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के नतीजे में कंपनी का नेट प्रॉफिट 3958.25 करोड़ रुपये रहा है। जो पिछले साल की इसी तिमाही के 4292.04 करोड़ रुपये की तुलना में थोड़ा कम है।

इसी तरह, वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में कंपनी का राजस्व 13,699.87 करोड़ रहा, जो कि जो पिछले साल की इसी तिमाही के 14768.78 करोड़ रुपये की तुलना में 7 फीसदी कम है।

कितना है कंपनी का शेयर प्राइस - कंपनी के चौथी तिमाही नतीजों का शेयर्स पर कोई असर नहीं दिख रहा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयर में मार्केट क्लोज होते समय 3.60 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया है। इसके एक शेयर की कीमत 4779.35 रुपये चल रही है। इसके शेयर में 172.20 रुपये की बढ़त आई है।

कंपनी के बारे बेसिक जानकारी- HAL तेजस के अलावा हेलीकॉप्टर, एवियोनिक्स और कई तरह के एयरोस्पेस बनाने का भी काम करती है। इसके साथ ही एचएएल कंपनी भारतीय सेनाओं के लिए युद्ध में लड़ने के लिए जरूरी उपकरण भी बनाती है। कंपनी के अन्य पॉपुलर विमान में प्रचंड, डॉर्नियर जैसे विमान शामिल हैं। बता दें, एचएएल देश की सबसे बड़ी डिफेंस कंपनी है। कंपनी का मार्केट कैप 3 लाख 19 हजार करोड़ रुपए से अधिक है। कंपनी को भारत सरकार की मेक इन इंडिया स्कीम से काफी फायदा पहुंचा है।

अब क्वालिटी इन्वेस्टमेंट की लहर पर सवार होने का समय है

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के डायनामिक मार्केट में, क्वालिटी एक महत्वपूर्ण लाइफ लाइन के रूप में कार्य करती है, जो निवेशकों को उन कंपनियों की पहचान करने में मदद करती है जो विश्वसनीयता, स्थायित्व और दीर्घकालिक लाभ देने का मामले में बेहतरहो। क्वालिटी यानी गुणवत्ता को प्राथमिकता देने वाले बिजनेस आमतौर पर स्ट्रॉन्ग प्रॉफिटेबिलिटी, सस्टेनेबल ग्रोथ और लगातार परफॉर्मेंस दिखाते हैं।

एक उपभोक्ता के रूप में जिस तरह से हम वस्तुओं को खरीदने में इनफॉर्म्ड या ब्रांड कॉन्शियस निर्णय लेते हैं, ठीक उसी तरह हम अपने पोर्टफोलियो को बनाते समय ऐसी ही मानसिकता को अपना सकते हैं - उच्च गुणवत्ता वाली कंपनियों में निवेश करना जो समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं।

लेकिन यहां गुणवत्ता का मतलब क्या है- गुणवत्ता केंद्रित कंपनियां अक्सर मजबूत ब्रांड इक्विटी, हाई कस्टमर लॉयल्टी, एंट्री पॉइंट के लिए बाधाएं और मजबूत बैलेंस शीट के लिए जानी जाती हैं। ऐसी कंपनियों के पास पर्याप्त कैश होता है, और लगभग हर तिमाही में शानदार प्रॉफिट देती हैं! वैसे एक समझदार निवेशकों को गुणवत्ता के साथ-साथ यह भी ध्यान देना है कि उन्हें क्वालिटी उचित मूल्य पर मिले ताकि मूल्य से समझौता न हो।

एमएसएमई को तेजी से बढ़ रहा डिजिटल लोन, लेकिन एक-तिहाई महिला उद्यमियों को नहीं मिल पाता कर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। लघु, छोटे और मझोले उपक्रमों यानी एमएसएमई को कर्ज में वृद्धि हुई है, डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उन्हें मिलने वाला कर्ज भी बढ़ा है, इसके बावजूद इस सेक्टर को जरूरत से 24 प्रतिशत कम कर्ज मिल रहा है। यह क्रेडिट गैप लगभग 30 लाख करोड़ रुपये का है।

स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ़ इंडिया (सिडबी, SIDBI) ने एक सर्वे रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। यह क्रेडिट गैप सर्विस सेक्टर में सबसे ज्यादा 27% है। यही नहीं, महिला उद्यमियों के एमएसएमई में 35% ऐसे हैं जिन्हें कर्ज नहीं मिल पाता है। रिपोर्ट में

चुनिंदा सेगमेंट के लिए नीतिगत पहल की सिफारिश की गई है।

18 प्रतिशत ने डिजिटल प्लेटफॉर्म से लिया कर्ज- इस सर्वे में मैन्युफैक्चरिंग, सर्विसेज और ट्रेडिंग के 19 सेक्टर की 2097 एमएसएमई इकाइयों से बात की गई। रिपोर्ट के अनुसार 18 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म से कर्ज लिया है। वर्ष 2017 में सिर्फ एक प्रतिशत MSME ने डिजिटल माध्यम से लोन लिया था। एमएसएमई को डिजिटल लोन देने में बड़ा अवसर है क्योंकि 90 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे डिजिटल पेमेंट स्वीकार करते हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि डिजिटल तरीके से सबसे ज्यादा लोन रक्षा उपकरण, आईटी/आईटीईएस, मशीनरी, ऑटो कंपोनेंट, प्लास्टिक प्रोडक्ट और ट्रांसपोर्ट तथा लॉजिस्टिक्स जैसे सेक्टर में दिए जा रहे हैं। होटल, रेडीमेड गारमेंट्स, फूड प्रोसेसिंग, दवा और फार्मास्यूटिकल, कॉटन टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंडस्ट्रियल मेटल प्रोडक्ट और ग्रॉसरी रिटेलर्स को संभावित क्षेत्र के रूप में बताया गया है।

माइक्रो सेगमेंट में अनौपचारिक स्रोतों से कर्ज अधिक- प्राइवेट कर्ज देने वाले जैसे अनौपचारिक स्रोतों से कर्ज लेने में कमी आई है। तीन प्रतिशत छोटी और दो प्रतिशत मझोली इकाइयों ने अनौपचारिक स्रोतों से कर्ज लिया है।

कंपनी जल्द करेगी 6000 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में से एक माइक्रोसॉफ्ट ने एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी का फैसला किया है। कंपनी 3 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने वाली है। इससे पहले साल 2023 में कंपनी ने लगभग 10 हजार कर्मचारियों को निकाला था।

कुल कितने लोगों की होगी छंटनी- मीडिया रिपोर्ट की मानें तो जून 2024 में माइक्रोसॉफ्ट में लगभग 2,28,000 कर्मचारी काम कर रहे हैं। इसका 3 फीसदी लगभग 6800 हुआ। जिसका मतलब है कि कंपनी ने 6800 कर्मचारियों को निकालने का फैसला कर लिया है। इसका असर लगभग हर क्षेत्र या सेक्टर पर देखने को मिल सकता है। चलिए अब जानते हैं कि कंपनी ने ये फैसला क्यों किया?

कंपनी ने क्यों किया छंटनी का फैसला- माइक्रोसॉफ्ट ने छंटनी करने का फैसला इसलिए लिया है ताकि वह अपनी संस्था को बेहतर स्थिति में ला पाए। वहीं कंपनी अपने स्ट्रक्चर और रणनीति को और आसान बनाना चाहती है, ताकि कोई भी प्लान लागू करने में किसी भी तरह की समस्या न आए।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ीं, हाईकोर्ट ने 6 घंटे में एफआईआर दर्ज करने को कहा

जबलपुर। हाई कोर्ट ने आपरेशन सिंदूर की नायिका कर्नल सोफिया कुरैशी पर अनर्गल टिप्पणी के मामले में स्वत- संज्ञान लेकर सुनवाई की। इसी के साथ सख्ती बरतते हुए प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के विरुद्ध तत्काल एफआईआर के निर्देश दिए। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और अनुराधा शुक्ला की युगलपीठ ने साफ किया कि हर हाल में बुधवार को शाम तक एफआईआर हो जानी चाहिए।

अन्यथा गुरुवार सुबह डीजीपी के विरुद्ध अवमानना की कार्रवाई होगी। कोर्ट ने महाधिवक्ता कार्यालय को निर्देश दिया कि आदेश की प्रति अविलंब डीजीपी को भेजें। ऐसा इसलिए ताकि निर्देश का पालन संभव हो। कोर्ट ने 15 मई को मामला टाप आफ द लिस्ट सुनवाई के लिए रखा है। रजिस्ट्रार आईटी से अपेक्षा की है कि मंत्री विजय शाह ने महिला सैन्य अधिकारी के विरुद्ध जो बयान दिया है, उसकी विडियो लिंक कलेक्ट कर कोर्ट के पटल पर रखें। राज्य की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह खडे हुए।कोर्ट ने समय नहीं दिया

उन्होंने सरकार से इंस्ट्रक्शन प्राप्त करने के लिए समय दिए जाने पर बल दिया। किन्तु कोर्ट ने समय नहीं दिया।

इस मामले में कोर्ट ने नईदुनिया जबलपुर संस्करण सहित अन्य मीडिया रिपोर्ट्स पर संज्ञान आधारित सुनवाई प्रारम्भ की है।

कोर्ट ने कहा है कि मंत्री शाह रायकुंडा गांव, आंबेडकर नगर, मऊ गए थे, जहां उन्होंने सेना की वरिष्ठ अधिकारी की गरिमा के विरुद्ध अत्यंत अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किया।

कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के बाद मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह मुसीबत में और घिरते जा रहे हैं।

बीती रात जहां भाजपा ने उन्हें समझाइश दी, वहीं आज कांग्रेस ने चौतरफा विरोध का मोर्चा खोल दिया है। इस बीच अब खबर ये भी आई है कि हाईकोर्ट ने भी इस पर संज्ञान लेकर कड़ा रवैया अपनाया है।

हाईकोर्ट ने ऑपरेशन सिंदूर की नायिका सोफिया कुरैशी पर अनर्गल टिप्पणी के मामले में स्वत- संज्ञान लेकर सुनवाई की।

प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के विरुद्ध अविलंब विधि सम्मत कारवाई के निर्देश दिए। कोर्ट ने छह घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

कल डीआईजी को हाजिर होने निर्देश दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स पर संज्ञान लिया गया था।

न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और अनुराधा शुक्ला की युगलपीठ के समक्ष राज्य की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह खड़े हुए। फिलहाल, विस्तृत आदेश प्रतीक्षित है।

कांग्रेस हुई हमलावर, खोला विरोध का मोर्चा विजय शाह के बयान के मामले पर मध्य प्रदेश कांग्रेस सक्रिय हो गई है। आज कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर एक से अधिक पोस्ट किये। एक पोस्ट में लिखा कि आज भोपाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने श्यामला हिल्स पुलिस थाने में मंत्री विजय शाह के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने हेतु आवेदन दियाढ़ कर्नल सोफिया कुरैशी का अपमान देश की सेना का अपमान हैढ़ पूरा देश इस बयान से आहत है।

इस दौरान पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया, पीसी शर्मा, संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे, राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी जी, विधायक आरिफ मसूद जी, मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक जी, वरिष्ट नेता माणक अग्रवाल जी, भोपाल शहर जिला अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना जी, ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनोखी पटेल जी, हस्ढ़ प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे जी, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अजिता बाजपेयी पांडे जी सहित नेतागण उपस्थित थेढ़ आज पूरा देश कर्नल सोफ़िया कुरैशी को सम्मान की नज़रों से देख रहा हैढ़ वही उन पर मंत्री विजय शाह द्वारा ओछी टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण एवं घोर निंदनीय है।

रतलाम के ताल में लोकायुक्त ने पटवारी संघ के अध्यक्ष को रिश्वत लेते पकड़ा

रतलाम। जिले के ताल नगर में लोकायुक्त पुलिस उज्जैन के दल ने ताल तहसील पटवारी संघ के अध्यक्ष व पटवारी आरोपित प्रभु कुमार गरवाल को एक व्यक्ति से सीमांकन का पंचनामा देने के लिए चार हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से रुपये जब्त कर उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार फरियादी किशनलाल आंजना निवासी ग्राम कोट कराड़िया ने पिछले दिनों उज्जैन स्थित लोकायुक्त कार्यालय पहुंचकर लोकायुक्त एसपी अनिल विश्वकर्मा को लिखित आवेदन देकर शिकायत की थी कि हल्का नंबर 24 के पटवारी आरोपित प्रभुलाल गरवाल द्वारा जमीन के सीमांकन का पंचनामा नहीं दिया जा रहा है।

पंचनामा देने के लिए उसके द्वारा पांच हजार रुपये की रिश्वत की मांग की जा रही है। एसपी लोकायुक्त ने शिकायत का सत्यापन कराकर पटवारी प्रभुलाल गरवाल को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े के लिए टीम गठित की गई।टीम डीएसपी राजेश पाठक के नेतृत्व में बुधवार दोपहर ताल नगर पहुंची।

फरियादी किशनलाल आंजना ने पुरानी तहसील कार्यालय परिसर में जाकर प्रभुलाल गरवाल को रिश्वत के चार हजार रुपये दिए तथा तत्काल आसपास छिपकर खड़े लोकायुक्त टीम के सदस्यों को इशारा किया।

इशारा मिलते ही टीम के सदस्य वहां पहुंचे तथा प्रभुलाल गरवाल को पकड़कर उसके पास से रिश्वत के रुपये जब्त किए।

लोकायुक्त डीएसपी राजेश पाठक ने बताया कि पटवारी प्रभुलाल गरवाल को चार हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा गया है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

टीम में इंस्पेक्टर हीना डाबर, आरक्षक हितेश लालवात, श्याम शर्मा, शिवकुमार शर्मा, संदीप कदम शामिल है। प्रभुलाल को ताल पुलिस थाने ले जाया गया है, जहां उसके खिलाफ कागजी कार्रवाई की जा रही है।

एमपी बोर्ड 10वीं और 12वीं की दूसरी परीक्षा का टाइम टेबल जारी, 17 जून से होंगी शुरू

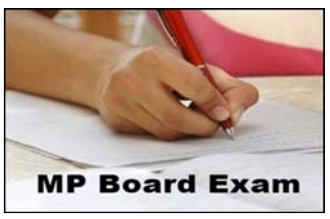

ग्वालियर । मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल 10वीं व 12वीं की परीक्षा में फेल होने वाले, अनुपस्थित रहने वाले छात्रों को दोबारा परीक्षा देने का मौका 17 जून से मिलेगा। जिले में बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट आने के बाद दोनों ही कक्षाओं के 15967 छात्र इस परीक्षा में बैठकर अपने पूरे साल को बचा सकते हैं।

यहां बता दें कि नई शिक्षा नीति के तहत अब छात्रों की पूरक परीक्षा नहीं आएगी। अब छात्र जिन विषयों में फैल हुए हैं, उनकी दोबारा से परीक्षा देनी होगी और उनकी अंक सूची में सप्लीमेंट्री भी लिखा हुआ नहीं आएगा। यदि छात्र सभी विषयों में फेल हैं, तो वह सभी विषयों की परीक्षा दे सकता है।बोर्ड ने द्वितीय परीक्षा के लिए टाइम टेबल भी जारी कर दिया है। दूसरी परीक्षा में परीक्षा केंद्र पर पहुंचने से लेकर अन्य जो भी नियम हैं वे फरवरी-मार्च में हुई परीक्षा वाले ही रहेंगे।

दूसरी परीक्षा में छात्र सभी विषयों की परीक्षा दे सकते हैं। इसके साथ ही जो छात्र पास हो गए हैं, वे श्रेणी सुधार के लिए भी परीक्षा दे सकते है। साथ ही किसी वजह से पहली परीक्षा में अनुपस्थित रहे छात्र या परीक्षा में समय पर न पहुंचने वाले सभी छात्रों को इस परीक्षा में मौका मिलेगा। पूरा साल खराब नहीं होगा

यानी छात्र का पूरा साल खराब नहीं होगा। साथ ही जो छात्र परीक्षा देगा परिणाम आने तक वह अगली परीक्षा में अस्थायी रूप से प्रवेश भी ले सकता है। इससे उसकी अगली परीक्षा की पढ़ाई भी प्रभावित नहीं होगी। परीक्षा कराने की तैयारियां शुरू हो गई हैं

माध्यमिक शिक्षा मंडल 17 जून से 10वीं व 12वीं की दूसरी परीक्षा कराएगा और इसके लिए समय सारणी घोषित कर दी गई है। परीक्षा कराने के लिए तैयारी शुरू हो गई हैं। इस परीक्षा में शामिल होकर पास होने पर पूरा साल खराब नहीं होगा और अगली कक्षा के लिए मौका मिलेगा।

- अजय कटियार, जिला शिक्षा अधिकारी, ग्वालियर

मकान बनाते समय मजदूरों को मिले सोने-चांदी के सिक्के, मालिक को बताए बगैर आपस में बांटेज फिर हुई लड़ाई और सब कुछ पुलिस ले गई

शहडोल। जिले के गोहपारु थाना क्षेत्र के खाम्हा गांव में शासकीय स्कूल के शिक्षक पूरन सिंह की निजी भूमि में घर निर्माण के दौरान खजाना मिला। इसमें बड़ी संख्या में सोने-चांदी के सिक्के शामिल हैं। शिक्षक अपने पुराने घर के बगल से लगी खाली पड़ी भूमि में ठेकेदार से घर निर्माण करवा रहे हैं।

ठेकेदार गांव का ही है और उसके तीन मजदूर निर्माण कार्य में लगे थे। पिलर के लिए मजदूर गड्ढा खोद रहे थे, उसी दौरान एक पुराने मिट्टी के बर्तन में सोने-चांदी के सिक्के मिले हैं। मजदूरों ने इसकी जानकारी पूरन सिंह को नहीं दी और आपस में ही खजाने का बंटवारा कर लिया। इसके बाद मंगलवार को मजदूरों की आपसी चर्चा के दौरान पूरन सिंह को भनक लग गई।

इंदौर में कचरे के लिए शहरवासी ऑनलाइन मंगा सकेंगे गाड़ी, एप के जरिए होगी बुकिंग

इंदौर नगर निगम स्वच्छता के लिए नवाचार कर रहा है। शहर की सफाई व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी घर-घर कचरा संग्रहण है। इसे ज्यादा मजबूत करने के लिए नगर निगम शहरवासियों के लिए ऑनलाइन कचरा वाहनों की बुकिंग की व्यवस्था करने जा रहा है। इसके लिए एक एप बनाया जा रहा है। बजट में इसके लिए मंजूरी दी गई थी। कंपनी से इस व्यवस्था को जमीन पर लाने के लिए कहा गया है। इसके अलावा हर घर को डिजिटल पहचान देने का काम भी किया जा रहा है। पायलेट प्रोजेक्ट के रुप में वार्ड 82 में इसे शुरू करने की तैयारी की जा रही है। अफसरों ने इसका प्रेजेंटेशन भी मेयर के सामने दिया है।

नगर निगम खुद का पोर्टल भी शुरू करने जा रहा है। पहले चरण में इसमें प्रॉपर्टी टैक्स ऑनलाइन जमा करने की व्यवस्था होगी। तीन माह बाद इस पोर्टल में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र की सुविधा जोड़ी जाएगी। शहरवासी ऑनलाइन उन्हें प्राप्त कर सकेंगे। तीसरे चरण में नागरिक शिकायत निवारण प्रणाली चालू की जाएगी।

गर्व ने कहा कि ये सभी योजनाएँ डिजिटल इंडिया की सोच को साकार करती हैं। इनसे नागरिकों को पारदर्शी, सुलभ और स्मार्ट सेवाएँ मिलेंगी, जिससे इंदौर एक बार फिर स्मार्ट सिटी के रूप में देश में अग्रणी भूमिका निभाएगा। इंदौर में फिलहाल 311 एप पर शहरवासी फोटो अपलोड कर कचरे व अतिक्रमण संबंधी शिकायत करते है, लेकिन ऑनलाइन टैक्स जमा करने में परेशानी आ रही है। अब नगर निगम खुद का एप बना रहा है।

न्याय क्षेत्र में आपकी सेवाएं अस्मरणीय है - सत्यनारायण पटेल

इन्दौर। न्याय क्षेत्र में आपकी सेवाएं अस्मरणीय है और आप इस क्षेत्र में अपन प्रतिभा से न्याय से वंचित लोगों को न्याय दिलाने में मददगार है। आपके इन कार्यों की हम सराहना करते हैं कि आप निःस्वार्थभाव से जरूरतमंदों की मदद कर अपने कर्तव्यों के प्रति खरे उतरेंगे यह मेरी आशा है। उक्त विचार नवनिर्वाचित अभिभाषक संघ के पदाधिकारियों के सम्मान में अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने कहे।

इस अवसर पर अध्यक्षता कर रहे मध्यप्रदेश स्टेट बार काउंसिल के सदस्य जय हार्डिया ने कहा कि अभिभाषकगण मेरे भाई है। हम सब मिलकर जरूरमोंदो को न्याय दिलाने में सदैव अग्रणी रहेंगे। एड. संतोष यादव ने स्वागत भाषण दिया।

जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल एवं समाजसेवी मदन परमालिया ने बताया कि श्री गीता रामेश्वरम् ट्रस्ट द्वारा इन्दौर जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष लखनलाल यादव, उपाध्यक्ष जितेन्द्र निम काका, सचिव कपिल बिरथरे, सह सचिव विजय व्यास, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम सोमानी, सदस्यगण नेहा रूहेला, जितेन्द्र यादव, महेश सोनगरा, दीपाली बेरी, नेहा रावत (जैन), उमंग मीठा का सम्मान समारोह रीगल तिराहा स्थित इंडियन कॉफी हाउस मे किया गया।

प्रोफेसर कीयूर पुरानी ने प्रेस्टिज यूनिवर्सिटी के नए कुलपति के रूप में कार्यभार संभाला

इंदौर। प्रेस्टिज यूनिवर्सिटी, इंदौर ने प्रोफेसर केयूर पुरानी को अपना नया कुलपति नियुक्त करने की घोषणा की है। तीन दशकों से अधिक के अकादमिक अनुभव, नवाचार दृष्टिकोण और उद्योग से जुड़ी व्यापक समझ के साथ प्रोफेसर पुरानी एक प्रख्यात शिक्षाविद् और संस्थान निर्माता के रूप में प्रतिष्ठित हैं। प्रेस्टिज यूनिवर्सिटी से पहले, प्रोफेसर पुरानी भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोझिकोड में मार्केटिंग के प्रोफेसर के रूप में कार्यरत थे। IIMK में उन्होंने डीन (डेवलपमेंट) और IIMK LIVE के संस्थापक कार्यकारी निदेशक जैसी कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं।

कुलपति पद का कार्यभार संभालने के बाद, प्रोफेसर पुरानी ने भारत में उच्च शिक्षा के परिदृश्य में निजी विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि ÷प्रेस्टिज यूनिवर्सिटी नवाचार, उद्योग सहभागिता और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अगले बड़े परिवर्तन की अगुवाई करने के लिए तैयार है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा इकोसिस्टम बनाना है जहां अनुसंधान का सीधा संबंध व्यावहारिक दुनिया से हो और छात्र तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्व करने के लिए तैयार हों।

रीजनल ग्रोथ समिट को लेकर संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा करेंगे मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। आगामी 16 मई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में प्रस्तावित रीजनल ग्रोथ समिट को लेकर बैठक आयुक्त कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने की। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार, अधीक्षण यंत्री श्री अनिल जोशी, मुख्य नगर नियोजक श्रीमती रत्ना बोचरे, होटल एसोसिऐशन के अध्यक्ष श्री सुमित सुरी, क्रेडाई के अध्यक्ष श्री संदीप श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए 16 मई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में रीजनल ग्रोथ समिट का आयोजन प्रस्तावित है। समिट में इंदौर सहित ग्वालियर, देवास, भोपाल, उज्जैन, मंदसौर, जबलपुर, नीमच आदि शहरों के प्रतिभागी शामिल होंगे। समिट का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समिट में वन-टू-वन चर्चा करेंगे।

नागरिकों से अपनी समग्र आईडी की ईकेवायसी कराने की अपील

इंदौर। शासन के निर्देशानुसार व्यवस्था लागू की गई है कि समग्र आईडी का आधार से ईकेवायसी कराने वाले नागरिकों को ही शासकीय योजनाओं/सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा। समग्र आईडी की ईकेवायसी नहीं कराने वाले नागरिकों को किसी भी शासकीय योजनाओं/ सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाएगा। समग्र से आधार ई केवायसी का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिले में ?पिछले एक सप्ताह में 39 हजार 444 हितग्राहियों के समग्र आईडी की ईकेवायसी की गई है।

बताया गया कि जिले में 67 लाख 95 हजार 843 समग्र आईडी बनी हुई है। इनका ईकेवायसी के माध्यम से सत्यापन होना है। यह सत्यापन आधार कार्ड के माध्यम से ईकेवायसी के द्वारा हो रहा है। अभी तक 21 लाख 90 हजार 524 समग्र आईडी सत्यापित की जा चुकी है।

इंदौर नगर निगम क्षेत्र में 53 लाख 40 हजार 148 समग्र आईडी में से 14 लाख 7 हजार 13 समग्र आईडी सत्यापित हो चुकी है। इसी तरह नगर परिषद क्षेत्रों में 3 लाख 36 हजार 448 समग्र आईडी में से एक लाख 45 हजार 244 समग्र आईडी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 11 लाख 19 हजार 247 समग्र आईडी में से 6 लाख 38 हजार 267 समग्र आईडी का सत्यापन किया जा चुका है।

प्रसिद्ध मंगलेश्वर मंदिर स्थित सूरजकुंड बावड़ी की सफाई कर जल संरक्षण का दिया गया संदेश

इंदौर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत देपालपुर के प्रसिद्ध मंगलेश्वर मंदिर स्थित प्राचीन सूरजकुंड बावड़ी की सफाई का महाअभियान आयोजित किया गया। इस अभियान में परिषद की समस्त प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र, नवांकुर, मेंटर तथा सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

सफाई अभियान के दौरान सूरजकुंड बावड़ी की गंदगी को हटाकर जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत देपालपुर के उपाध्यक्ष श्री मोहनलाल ननवाना, नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्री गोपाल कटेसरिया, पार्षद श्री विमल यादव, पूर्व सैनिक श्री विमल फौजी, सामाजिक कार्यकर्ता श्री हरिराम सोलंकी, सेवा भारती के श्री सोहन परमार, समाजसेवी श्री पारस बारोड़, जिला समन्वयक श्रीमती ऋतुजा पहाड़े तथा श्री सुरेशचंद्र यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

यह अभियान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। जिले के ग्रामीण अंचलों में तालाबों, नदियों एवं नालों की सफाई तथा गहरीकरण के कार्यक्रम श्रमदान के माध्यम से निरंतर जारी हैं। इसी क्रम में मंगलेश्वर मंदिर परिसर स्थित सूरजकुंड बावड़ी पर यह आयोजन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के अंतर्गत एक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें जल संरक्षण के महत्व पर चर्चा हुई और सभी प्रतिभागियों को जल बचाने की शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात सभी ने श्रमदान करते हुए बावड़ी की सफाई की। कार्यक्रम का संचालन मेंटर श्री हरिओम दुबे ने किया तथा आभार प्रदर्शन श्री सेठी डोडिया द्वारा किया गया।

कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर आरटीओ इंदौर ने की वाहनो पर कार्यवाही

इंदौर। इंदौर में यातायात सुधार के लिये कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में मुहिम चलाई जा रही है। इस मुहिम के तहत आज सख्त कार्रवाई करते तीन वाहनों को जब्त किया गया।

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोकपरिवहन वाहनों बसों, स्कूल वाहनो सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। बसों में ओवरलोडिंग,अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर एचएसआरपी नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति,स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही, विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज के वाहनो की सघन जाँच की जा रही है। स्कूल बसों,यात्री बसों में विभिन्न कमियां पाए जाने पर 13 से अधिक वाहनों पर जुर्माना लगाया गया। साथ ही बिना फिटनेस के संचालित 02 स्कूल बस, 01 ट्रक सहित कुल 03 वाहन जब्त किए। इस दौरान वाहनों से 40 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कोयला फाटक से निजातपुरा एवं बियाबानी से तेलीवाड़ा तक निगम ने आरंभ किया तुड़ाई कार्य

भवन स्वामियों द्वारा भी स्वयं हटाया जा रहा चिह्नित भाग

उज्जैन। मार्ग चौड़ीकरण के क्रम में बुधवार को नगर निगम द्वारा निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देश के क्रम में कोयला फाटक से निजातपुरा, इंद्रप्रस्थ टॉवर तक एवं बियाबानी चौराहे से लेकर तेलीवाड़ा तक चौड़ीकरण की कार्यवाही प्रारंभ की गई।

बुधवार से आरंभ की गई कार्यवाही अन्तर्गत निगम अमले द्वारा कोयला फाटक से निजातपुरा स्थित आनंद भवन तक सड़क के दोनो और की शासकीय दिवार को तोड़ने का कार्य किया गया इसके साथ ही कोयला फाटक से इंद्रप्रस्थ टावर तक नागरिकों से स्वयं भवनों के चिन्ह भाग को तोड़े जाने की मुदानी करवाई जा रही है जिससे नागरिकों को असुविधा ना हो तथा चौड़ीकरण का कार्य तीव्रगति से किया जा सके।

इसी के साथ बियाबानी चौराहे से लेकर तेलीवाड़ा चौड़ीकरण मार्ग पर नगर निगम द्वारा मुनादी भी करवाई गई जिसके क्रम में भवन स्वामियों द्वारा स्वयं चौड़ीकरण अंतर्गत चिन्हित किए गए मार्किंग अनुसार मकानों को तोड़ने की कार्यवाही प्रारंभ की गई।

महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव एवं निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा चौडीकरण मार्ग में प्रभावित होने वाले नागरिकों से अनुरोध किया गया कि वे निगम द्वारा लगाए गए निशान अनुसार अपने भवन के प्रभावित होने वाले भाग को स्वयं हटाना आरंभ कर दें जिससे की चौड़ीकरण की कार्यवाही को सुगमता पूर्वक समय पर पूर्ण किया जा सके।

उल्लेखनिय होगा कि नागरिकों की सुविधाओं एवं आगामी सिहंस्थ 2028 को दृष्टिगत रखते हुए मा. मुख्यमंत्री जी की मंशा अनुसार सुलभ परिवहन हेतु शहर में विभिन्न मार्गो का चौड़ीकरण किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत बुधवार से निगम द्वारा कोयला फाटक से छत्रीचौक तक तथा बियाबानी चौराहे से छोटी रपट तक चौड़ीकरण का कार्य आरंभ किया जा रहा है जिसके प्रथम चरण में बियाबानी से तेलीवाड़ा तक तथा कोयला फाटक चौराहे से इंद्रप्रस्थ टॉवर तक के भवन स्वामियों को चिन्हित किये गए भाग तक भवनों को स्वयं तोड़ने हेतु सूचना पत्र जारी किये गए है। अन्यथा की अस्थिति में निगम द्वारा भवनों को तोड़े जाने की कार्यवाही की जाएगी।

उक्त कार्यवाही के दौरान भवन अधिकारी राकेश वास्कले, कार्यपालन यंत्री साहिल मेदावाला, उपयंत्री राजेंद्र रावत, मुकुल मेश्राम, श्रीमती श्वेता सोनी सहित अन्य उपस्थित रहे।

संयुक्त राष्ट्र संघ की 20वीं बुद्ध पूर्णिमा पर प्रवचन कर वियतनाम से भारत लौटे भिक्खु डॉ सुमेध थेरो

उज्जैन। संयुक्त राष्ट्र संघ की 20वीं बुद्ध पूर्णिमा पर प्रवचन कर वियतनाम से भिक्खु डॉ सुमेध थेरो भारत लौटे। भिक्खु डॉ सुमेध थेरो को धम्म के मार्ग पर विपश्यना साधना द्वारा मानसिक उपचार पर प्रवचन के लिये वियतनाम के प्रोफेसर डॉ थिच नाथ तू द्वारा आमंत्रित किया था।

ज्ञातव्य है कि विश्व बौद्ध समुदाय के लिए एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आधिकारिक तौर पर वियतनामी बौद्ध अकादमी में आयोजित किया। यह चौथी बार है जब वियतनाम ने वैशाख महोत्सव की घोषणा की और हो ची मिन शहर में पहली बार भिक्खु डॉ सुमेध थेरो ने बताया ध्यान अनावश्यक रसायनों को निष्क्रिय करता है, हमारी त्वचा को बूढ़ा होने से रोकता है। ध्यानपूर्वक ध्यान करने से, आप उन भावनाओं को शांत करने में सक्षम होंगे और उनके डर, क्रोध, अकेलेपन आदि जैसी मजबूत भावनाओं की जड़ों को समझ पाएंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के साथ हमारे रिश्ते में कुछ कठिनाइयाँ होने पर, हो सकता है कि हमारा डर, गुस्सा और इच्छाएँ इन प्रकार की कठिनाइयों से संबंधित हों। हम उसके साथ सुलह करना चाहते हैं। हम संचार को बहाल करना चाहते हैं और सुलह करना चाहते हैं। लेकिन हमारे अंदर क्रोध, डर और इच्छा की भावनाएँ सुलह में बाधा बन सकती हैं। यहाँ एन्सिएंट बुद्धिस्म के 12 वें अंक का विमोचन फ्रांस के प्रसिद्ध बौद्ध भिक्खु डॉ धम्मरतन, श्रीलंका के भिक्खु डॉ सुमन सिरी एवं भिक्खु डॉ अकुरातिया नन्दा, अमेरिका के भिक्खु कटुगोस्टा उपरतन एवं वियतनाम के भिक्खु थिच ताम डुक ने किया । शोध पत्रिका के लिये बौद्ध भारत में उज्जैन बुद्धिस्ट सोसाइटी नव सिद्धार्थ शिक्षा एव स्वास्थ्य सेवा समिति सुमेध भूमि बुद्ध विहार ललितपुर के तत्वावधान में अनेकों स्थानों पर बौद्ध धम्म से सम्बन्धित कार्यक्रमों में बुद्ध धम्मसंघ की महत्ता बताई।

कड़वा पाटीदार समाज धर्मशाला कुशलपुरा मे लिफ्ट का भूमिपूजन

उज्जैन। कड़वा पाटीदार समाज धर्मशाला कुशलपुरा उज्जैन मे लिफ्ट का भूमिपूजन दानदाता राधाकृष्ण गौशाला ईटावा के संरक्षक एवं संचालक कैलाशचंद्र पाटीदार एवं ज्ञानवर्षा इंटरनेशल स्कूल उज्जैन के संचालक राजेश पाटीदार, मुकेश पाटीदार, सुरेश पाटीदार, स्वयंप्रकाश पाटीदार एवं चेतन पाटीदार के करकमलो से संपन्न हुआ। इस अवसर पर ट्रष्ट अध्यक्ष रामेश्वर गामी, पूर्व अध्यक्ष सेठ राधेश्याम पाटीदार, कोषाध्यक्ष प्रेमनारायण, सचिव अशोक कटारिया आदि।

नरेंद्र मोदी फेंड्स ग्रुप ने की प्रदेश प्रभारी, जिला अध्यक्ष की नियुक्ति जाग

उज्जैन। नरेन्द्र मोदी फ्रेंड्स ग्रुप द्वारा केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार की जन कल्याण योजना को जन जन तक पहुंचाने का कार्य राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद दगदी के मार्ग दर्शन में किया जा रहा है और मोदी फ्रेंड्स ग्रुप को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। उसी कड़ी में राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद दगदी द्वारा प्रदेश प्रभारी के पद पर आशीष साहू को व जिला अध्यक्ष पद पर विजय पटेल को नियुक्त किया। साथ ही उनका स्वागत सम्मान किया गया।

इस मौके पर प्रदेश प्रभारी एवं जिला अध्यक्ष विजय पटेल ने जो पद भरा उन्होंने दिया गया है उसपर खरा उतरने की बात कही व शासन की सभी योजना की जानकारी जन जन तक पहुंचे की शपथ ली। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद दगदी, जिला प्रभारी कमल किशोर, विनोद जादम, रोहित वायवल, किशोर सेहरा, जितेन्द्र अहीरवाल, दिनेश सिंह गोयल, सागर सूर्यवंशी, शिवनारायण, यतीश जाट आदि बड़ी संख्या में नरेन्द्र मोदी फ्रेंड्स ग्रुप के सदस्य मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश के कलारीपयट्टू खिलाड़ियों ने खेलो इंडिया में पदकिय की सफलता प्राप्त की

उज्जैन। बिहार के गया में 4 से 14 मई से आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में कलारीपयट्टू खेल के दौरान मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश इंदौर जिले की समृद्धि पटेल और प्रियांशी जामलिया ने तलवार और ढाल इवेंट में कांस्य पदक जीता।

इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के 14 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें बालिका वर्ग में अर्पिता बिस्वास, वैभवी कुड़ीवाल, केनिश श्री जैन, रुद्राक्षी गिद्ध, किमाया सहस्त्रबुद्धे शामिल थीं। बालक वर्ग में चिराग सिंगार, अनंत शर्मा, अल्तमश खान, अषहद खान, मानद बरगल, हार्दिक मोदी और सोमेश धनोतिया ने अपनी प्रतिभा दिखाई। टीम के साथ पुरुष कोच विशाल सिंह सोलंकी और महिला कोच प्रियांशी जायसवाल थे।

इस ऐतिहासिक जीत पर मालवा कलारीपयट्टू संघ मध्यप्रदेश के महासचिव गजेंद्र सिंह राठौर ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और और मध्यप्रदेश खेल मंत्री विश्वास सारंग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश खेल संचालक राकेश कुमार गुप्ता, संयुक्त संचालक विकास खराड़कर, संयुक्त संचालक प्रदीप अस्तैया का आभार व्यक्त किया मध्य प्रदेश सरकार और विभाग की और से खिलाड़ियों को इतनी सुव्यवस्तिथ व्यवस्था खिलाड़ियों को दी जिससे मध्यप्रदेश टीम अपना बेहतरीन प्रदर्शन दे पाई यह जीत मध्य प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है और आगे भी खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी इस सफलता पर(प्रदेश अध्यक्ष) ठा.शिवप्रताप सिंह चौहान (प्रदेश सचिव)ठा.संजय सिंह बैस राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरविंद जोशी (संभाग अध्यक्ष) डॉ अविनाश बूँदीवाल (जिला अध्यक्ष)अखिल खान आदि ने बधाईया दी।

अरुण वर्मा जी की स्मृति में स्मारक बनाने की घोषणा

उज्जैन। महामंडलेश्वर की आंखों से बहते आंसू, हाथ में फूल माला लिए, दिवंगत समाजसेवी और पूर्व छात्र नेता अरुण वर्मा की शवयात्रा का मार्मिक वंदन करते हुए जनमानस ने देखा। उल्लेखनीय है कि उज्जैन के कंठाल चौराहे से विक्रम विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति का संचालन कई दशकों तक होता रहा।और अरुण वर्मा , पूर्व छात्र नेता और गणेश मंदिर संस्थापक के साथ महामंडलेश्वर स्वामी शैलेशानंद गिरी (पूर्व में छात्र नेता उग्र प्रवक्ताशैलेश व्यास) इसी चौराहे से विद्यार्थियों का नेतृत्व किया करते थे। अरुण वर्मा एनएसयूआई के अध्यक्ष बने तो शैलेश उनके प्रवक्ता। अरुण वर्मा की शवयात्रा में निरंतर रूप से पूर्व की भांति शैलेश, वर्तमान में स्वामी शैलेशानंद गिरी महामंडलेश्वर जूना अखाड़ा उज्जैन , पैदल तपती दोपहरी में नंगे पैर चलते हुए चक्रतीर्थ पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके पूर्व जीवन के कर्म निभाने वे आए है। चक्रतीर्थ पर उनकी अध्यक्षता में नगर भर के गणमान्य नागरिक, पक्ष विपक्ष के राजनेता, खिलाड़ी इत्यादि समाजजनों ने शोकसभा में श्रद्धांजलि अर्पित की। उक्त जानकारी देते हुए पूर्व पार्षद एवं अरुण वर्मा जी के बालसखा सुनील कछवाय ने बताया कि शोकसभा में सर्वश्री राजेंद्र भारती, मनोहर बैरागी, विधायक अनिल जैन, सोनू गहलोत, मुकेश भाटी, विक्की यादव, अशोक यादव , नेता प्रतिपक्ष रवि राय, बटु शंकर जोशी, कैलाश बिसेन, पूर्व मंत्री पारस जैन, लक्ष्मी नारायण उपाध्याय, अजीत सिंह ठाकुर, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ओम सरवान आदि। अनंत नारायण मीणा, रवि भदोरिया, संजय ठाकुर, वीनू कुशवाह, आरएसएस के विजय केवलिया, विनोद यादव, पार्षद सत्यनारायण चौहान, ओम प्रकाश रामी, आजाद यादव, मोहित जायसवाल आदि ने हजारों संख्या में शहर के नागरिक, व्यापारी बंधु एवं समाज सेवियो की मौजूदगी में स्वर्गीय अरुण वर्मा जी के साथ अपनी यादें और अनुभव साझा किए।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com